सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : द्वितीय	सत्र: **2022-23**
विषय: संस्कृत			

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A2-SANS1T**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	गद्य, दर्शन एवं व्याकरण (प्रश्न पत्र 1)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/एलेक्टिव/जेनेरिक एलेक्टिव/वोकेशनल/....)	**मेजर-1**
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संस्कृत में......अध्ययन कक्षा/बी.ए. प्रथम वर्ष प्रमाणपत्र उत्तीर्ण किया हो। इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयो के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप मे चुना जा सकता है :- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) **(CLO)**	1 छात्रों के चारित्रिक विकास में अत्यन्त उपयोगी। 2 सार्वभौमिक दृष्टि से आध्यात्मिक उन्नयन में सहायक। 3 भारतीय दार्शनिक चिन्तन की वैज्ञानिकता का अवबोध। 4 भारतीय संस्कृति एवं कलाओं से परिचित कराना। 5 छात्रों के बौद्धिक एवं मानसिक विकास के साथ भाषा अवबोध हेतु महत्त्वपूर्ण। 6 छात्रों को काव्य विधा लेखन की कला में दक्ष बनाना। 7 संस्कृत में वाक्य निर्माण और प्रयोग का ज्ञान कराना। 8 संस्कृत में अनुवाद एवं संभाषण कौशल का विकास।
6	क्रेडिट मान	**06**
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे मे) : **L-T-P:- 03**		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	शुकनासोपदेश : बाणभट्ट विरचित कादम्बरी से-(व्याख्या एवं समालोचनात्मक प्रश्न)।	**15**
II	(अ) आस्तिक दर्शन : (सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, वेदान्त तथा मीमांसा)। (ब) नास्तिक दर्शन : (चार्वाक, जैन एवं बौद्ध)- उक्त दर्शनों का सामान्य परिचय अपेक्षित है।	**15**

15.2.22
(Prof. K.B. Panda)

2 —

III	भारतीय संस्कृति : पुरुषार्थ, संस्कार, कला एवं संस्कृति का स्वरूप और विशेषताएँ। कलाओं (स्थापत्यकला, मूर्तिकला, चित्रकला एवं संगीत कला) का सामान्य परिचय अपेक्षित है।	15
IV	(अ) वाच्य परिवर्तन : (कर्तृ, कर्म, एवं भाववाच्य) नियम तथा उदाहरण अपेक्षित हैं। (ब) संस्कृत निबन्ध : संस्कृत भाषा में निबन्ध लेखन/पत्र लेखन/वार्ता लेखन/संभाषण/ लघुकथा लेखन।	15
V	समास : (लघुसिद्धान्त कौमुदी से) विग्रह एवं समास का ज्ञान तथा समास के भेदों का अवबोध अपेक्षित है।	30

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : आस्तिक, नास्तिक, दर्शन, संस्कृति, कला, वाच्य, निबन्ध, संभाषण, समास।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्यपुस्तक- चतुष्टयी- म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

1. "कादम्बरी"-बाणभट्ट कृत- व्याख्या, रतिनात झा- मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
2. "शुकनासोपदेश"-आचार्य मोहनदेव पन्त- मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
3. "शुकनासोपदेश"-डॉ. चंद्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
4. "भारतीय दर्शन"-आचार्य बलदेव उपाध्याय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. "भारतीय दर्शन"-डॉ. उमेश मिश्र- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. "हिन्दू संस्कार"-राजबली पाण्डेय- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. "भारतीय संस्कृति"-वी.एन. लूनिया- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
8. "भारतीय संस्कृति सौरभम्"- आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. "भारतीय संस्कृति"-डॉ. शिवदत्त ज्ञानी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. "भारतीय संस्कृति"-प्रीतिप्रभा गोयल, राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर।
11. "लघुसिद्धान्त कौमुदी"-वरदराजाचार्य-व्याख्याकार भीमसेन शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. "संस्कृत निबंध शतकम्"- डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
13. "संस्कृत निबन्धावलि"-आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
14. "संस्कृत निबंध मंदाकिनी"-आचार्य आद्या प्रसाद मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
15. "भारतीय कला का विकास"- राधाकमल मुखर्जी- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
16. "चन्द्र संस्कृत व्याकरण"-नेमिचन्द्र शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
17. "भारतीय कला"-वासुदेव शरण अग्रवाल, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
18. "भारतीय स्थापत्य कला"-द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल- चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
19. "भारतीय संस्कृति"- किरण टण्डन, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, नई दिल्ली।

15.2.22
(Prof. K.B. Panda)

20. "प्राचीन भारतीय संस्कृति"- डॉ वीरेंद्र सिंह, अक्षय वट प्रकाशन, इलाहाबाद। अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक-ई-सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम : शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit, Kota Vishwavidyalay, Kota		
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ : लिखित परीक्षा, सतत आंतरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न निर्माण। अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) : समय-03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक 70
कोई टिप्पणी/सुझाव :		

15.2.22.
(Prof. K.B. Panda)

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ – परिचय			
कार्यक्रम : डिप्लोमा	कक्षा : बी.ए. द्वितीय वर्ष	वर्ष : द्वितीय	वर्ष : 2022-23

विषय: संस्कृत

1	पाठ्यक्रम का कोड	**A2-SANS2T**
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	महाकाव्य एवं नाटक (प्रश्न पत्र 2)
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/एलेक्टिव/जेनेरिक एलेक्टिव/वोकेशनल/....)	मेजर-2/माइनर/वैकल्पिक
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय संस्कृत का ......अध्ययन कक्षा/बी.ए. प्रथम वर्ष प्रमाणपत्र उत्तीर्ण किया हो ।. इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयो के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप मे चुना जा सकता है :- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	1. छात्रों को काव्य विधाओं से परिचित कराना । 2. छात्रों को आश्रम के नियमों तथा गौ-सेवा की महिमा का बोध कराना । 3. नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों का ज्ञान । 4. रंगमंचीय प्रयोग तथा नाट्यलेखन की विधा का परिचय । 3. छात्रों में अभिनय कला का विकास तथा अभिरुचि संवर्धन । 4. छात्रों को प्राचीन नाट्यकारों एवं उनकी कृतियों से परिचित कराना । 5. छात्रों को जीवन मूल्यों एवं नैतिक दायित्व की शिक्षा प्रदान कराना ।
6	क्रेडिट मान	**06**
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे मे) : L-T-P:- 03

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	(अ) रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग (पाठ्यांश की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न) (ब) महाकाव्य का स्वरूप एवं प्रमुख महाकाव्यों का परिचय (कुमारसम्भवम्, रघुवंशम्, किरातर्जुनीयम्, शिशुपाल वधम्, नैषधीयचरितम्) ।	**15**
II	नाट्यशास्त्र प्रथम अध्याय से नाट्योत्पत्ति एवं नाट्यप्रयोजन से संबंधित पाठ्यांशो की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न ।	**15**

15.2.22
(Prof. K.B. Panda)

III	नाट्यशास्त्र के पारिभाषिक शब्द : नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, प्रवेशक, विष्कम्भक, विदूषक, स्वगत, प्रकाश एवं भरतवाक्य।	15
IV	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : प्रथम, चतुर्थ एवं पंचम अंक (पाठ्यांशो की व्याख्या एवं सम्पूर्ण नाटक से समीक्षात्मक प्रश्न)।	15
V	संस्कृत नाटक : संस्कृत के प्रतिनिधि नाट्यकार एवं उनकी कृतियों का सामान्य परिचय। (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भवभूति, एवं भट्टनारायण)	30

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : शास्त्र, नाट्य, काव्य, महाकाव्य, नाटक, प्रतिनिधि।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्यपुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्यपुस्तक- चतुष्टयी, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रंथ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री :

संदर्भ ग्रंथ :

1. "रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग" (कालिदास रचित) आचार्य शेषराज शर्मा रेगनी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. "रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग"-श्री कृष्णमणी त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3. "रघुवंशम्-द्वितीय सर्ग"-जयकिशन खण्डेलवाल, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा।
4. "नाट्यशास्त्रम्"-भरतमुनि प्रणीत) बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. "अभिज्ञानशाकुन्तलम्"-कालिदासकृत, कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. "संस्कृत नाटक"-ए.बी.कीथ-अनुवादक उदयभानु सिंह, मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी।
7. "संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास"-डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी
8. "संस्कृत साहित्य का इतिहास"-आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9. "लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास"-राम विलास चौधरी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10. "नाट्यशास्त्र का इतिहास"-पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
11. "आधुनिक संस्कृत नाटक"-आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
12. "संस्कृत नाट्य सिद्धांत"-डॉ. रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
13. "संस्कृत नाट्य कोश"-डॉ. राम सागर त्रिपाठी I-II भाग चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
14. "संस्कृत नाट्य कला"-डॉ. रामलखन शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस दिल्ली।
15. "नाट्यशास्त्रम्" (भरतमुनि) सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
16. "नाट्यशास्त्र"- प्रीति प्रभा गोयल राजस्थान ग्रंथागार जोधपुर।
17. "नाट्यशास्त्र" बाबूलाल शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी।

अनुशंसित डिजिटल प्लाटफार्म वेब लिंक-ई-सोर्सेस, इपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in

15.2.22
(Prof. K. B. Panda)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम : शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit, Kota Vishwavidyalay, Kota
भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियाँ :
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ : लिखित परीक्षा, सतत आंतरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघु उत्तरीय प्रश्न निर्माण । अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) :	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) : समय-03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न (अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (	कुल अंक : 70
कोई टिप्पणी/सुझाव :		

15.2.22.
(Prof. K. B. Panda)